राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंकविभाजन

MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL

Sangeetika Senior Diploma in performing art- (S.S.D.P.A.)

2020 -21 (Private)

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory-I History and Development of Indian dance	100	33
2	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

स्कूलस्तर के पाठ्यक्रम
स्वाध्यायी विद्यार्थियोंहेतु

संगीतिका सीनियर ड़िप्लोमा इन परफॉर्मिंगआर्ट
विषय–सुगमनृत्य
शास्त्र

समयः– 3 घन्टे **पूर्णांक–100**

1. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं के नामों की जानकारी एव मुद्राओं का विनियोग सहित वर्णन।

2. दृष्टिभेद एव भृकुटी भेदों की विस्तृत जानकारी।

3. ग्रीवाभेद एवं शिरोभेद की विस्तृत जानकारी।

4. लय की परिभाषा एवं उसके मूलप्रकार विलम्बित मध्य एव द्रुत लय की जानकारी।

5. नृत्य कला सीखन से लाभ।

6. राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात महाराष्ट्र के लोकनृत्यों की जानकारी।

7. भाव की व्याख्या एवं नृत्य म इसकी महत्ता।

8. तीनताल (16–मात्रा), दादरा (6–मात्रा), कहरवा (8–मात्रा), रूपक (7–मात्रा), एकताल (12–मात्रा), तथादीपचंदी (14–मात्रा) तालों की जानकारी व उनकी, ठाह, दुगुन, चौगुन, को लिपिबद्ध करन का अभ्यास।

9. सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों की जानकारी।

संगीतिका सीनियर ड़िप्लोमा इन परफॉर्मिंगआर्ट

विषय–सुगमनृत्य

प्रायोगिक

पूर्णांकः–100

1. असंयुक्त एव संयुक्त हस्तमुद्राओं का श्लोक उच्चारण सहित प्रदर्शन।

2. ग्रीवाभेद, शिरोभेद, दृष्टिभेद, एव भृकुटी भेदों का प्रायोगिक प्रदर्शन करने की क्षमता एवं नृत्य के साथ उनका प्रयोग।

3. राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र तथा पंजाब के लोक नृत्यों परभाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।

4. गज़ल (मीर, गालिब, फिराक, फैज़,), भजन (सूर, मीरा, तुलसी) आदि परभाव प्रदर्शन के साथ नृत्य करने का अभ्यास।

5. जूनियर ड़िप्लोमा में आए सभी प्रश्नों की मौखिक जानकारी।

6. पाठ्यक्रम में आए सभी तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन लगाने की क्षमता।

संदर्भित पुस्तकें :–

1. अभिनय दर्पण (श्री वाचस्पति गैरोला)
2. कथकनृत्य (श्री लक्ष्मी नारायण गर्ग)
3. कथकनृत्य शिक्षा (डॉ. पुरू दधीच)
4 कथक मध्यमा(डॉ. भगवानदास माणिक)

आंतरीकमूल्यांकन

आवश्यक निर्देश–: आंतरीक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1.कक्षा में सीखे गय रागो की स्वरलिपि/तोड़ा का विवरण

2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों की रिर्पोट